CMAR

CITY MANAGERS' ASSOCIATION RAJASTHAN

e *newsletter*

issue XVIIIth Feb., 2016

Promoting excellence in city management ...

CMAR

e-Newsletter Issue XVIIIth Feb., 2016

Editor - in Chief	:	**Shri Purushottam Biyani (IAS)** (Director cum Joint Secretary, LSGD, GoR)
Editorial Team & Compilation	:	**Dr. Himani Tiwari** (Coordinator, CMAR) **Mr. Sharawan Kumar Sejoo** (Research Assistant, CMAR)
Digital Typesetting	:	**Mr. Arjun Pal** (IT Expert, CMAR)
CMAR Team	:	**Mr. Sandeep Nama** (Research Investigator, CMAR) **Mr. Sitaram Verma** (Assistant, CMAR)

OUR SINCERE THANKS TO

- **Smt. Sanchita Bishnoi (RAS)** (Add. Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Smt. Preeti Mathur (RAS)** (Project Director, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri Hulas Ray Pawar (R.Ac.S)** (Chief Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Smt. Madhu Rathore (R.Ac.S.)** (Sr. Account Officer, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri R.K. Vijayvargia** (Sr. Town Planner, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)
- **Shri Pankaj Mangal** (Commissioner, Municipal Council Bundi)
- **Miss Poonam Kulshrashtha** (State Program Manager, CFAR)
- **Shri Amar Deep Singh** (Project Coordinator, CUTS International)
- **Shri Brijesh Pareek** (PRO, Directorate of Local Bodies, Rajasthan)

For suggestions/feedback please write to:

City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies,
G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur-302015
Telefax: 0141-2229966 | Web: www.cmar-india.org | Email- cmar.rajasthan@gmail.com

Electronic version of this newsletter is also available on CMAR's website at: http://cmar-india.org/

Contents

अनूठा प्रयास — रंग दे बून्दी	1
सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफार्म के अन्तर्गत राजस्थान महापौर सम्मेलन का आयोजन	4
One Day Workshop on Street Dog population Management	7
अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित	9
सिटी प्रोफाईल : नागौर	12
स्वच्छता एवं साफ–सफाई के विषय पर डिसेमिनेशन कार्यशाला का आयोजन	15

अनूठा प्रयास - रंग दे बून्दी

स्वच्छ भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन के तहत नगरपरिषद बून्दी व राजस्थान पालिका एवं अन्य भामाशाओं के संयुक्त तत्वाधान में बून्दी शहर में नई पहल की शुरूआत की जिसका नाम रखा ''रंग दे बून्दी''

इस पायलेट प्रोजेक्ट के तहत वार्ड न. 5 का चयन कर शुरूआत की गई तथा सफल क्रियान्वयन के लिए एक कमेटी बनाई गई। जिसमें नगरपरिषद् के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, वार्ड पार्षद, सामयिक कार्यकर्ता, राजस्थान पत्रिका बून्दी के प्रतिनिधि तथा टीवीएस बिड़ला कम्पनी के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया। इस प्रोग्राम के तहत पहले चरण मे वार्ड न. 5 के लगे विद्युत लाईन के सीमेन्ट के पोल पर पेन्टिग करवाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम हेतु 14 फरवरी 2016 तय कर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों से सम्पर्क कर कक्षा 6 से 9 तक एवं 10 से 12 तक के बच्चों से विद्युत पोल पर पांच फीट तक ऑयल पेन्ट व फेब्रीक कलर पेन्ट करवाकर छात्र-छात्राओं से राजस्थानी, हाड़ौती, माण्डणा बून्दी शैली की पेन्टिंग एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं।

स्वच्छ भारत स्वच्छ बून्दी आदि नारे छात्र-छात्राओं द्वारा लिखे गये। उक्त पेंटिंग प्रतियोगिता में कुल 105 स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के लिए प्रचार-प्रसार राजस्थान पत्रिका द्वारा किया गया तथा आर्थिक सहयोग नगर परिषद् बून्दी, बिड़ला टीवीएस, द्वारिका स्वीट्स, एम.के. एन्टरप्राईजेज व भामाशाह महेश गुप्ता हिमान्शु जैन, राम विलास मित्तल वार्ड के पार्षद योगेन्द्र जैन द्वारा किया गया।

रंग दे बून्दी कार्यक्रम में रहा उत्सवी माहौलः

वार्ड सं 05 (विकास नगर) में रंग दे बून्दी कार्यक्रम के तहत उत्सव माहौल रहा प्रत्येक गली में छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न रंगो के माध्यम से पेन्टिंग कर अपनी कला का प्रदर्शन किया मौहल्ले वासियों द्वारा अपने घर के बाहर लगे विद्युत पोल के आस-पास की सफाई की गई तथा छात्र-छात्राओं को पेन्टिंग के लिए कुर्सी, स्टूल, टेबल उपलब्ध करवाये तथा अल्पाहार आदि की व्यवस्था करवाई। प्रतियोगिता स्थल बच्चों के माता-पिता तथा मौहल्ले के निवासी पूरे समय उपस्थित रहे। जिससे उत्सवी माहौल बना रहा।

निर्णायकों की रही भूमिकाः

रंग दे बून्दी कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ चित्रकला के चयन हेतु एक निर्णायक कमेटी बनाई गई। जिसमें राजकीय महाविद्यालय के चित्रकला विभाग/के अध्यक्ष डॉ. हेमलता कुमावत एवं नंद प्रकाश युवराज सिंह, मोहम्मद इकबाल, श्रीमती चित्रा बिरला, सतीश शर्मा आदि द्वारा विभिन्न विद्युत पोलो पर की गई पेन्टिंग का निरीक्षण कर सर्वोत्तम पेन्टिंग का चयन कर निर्णायक की भूमिका अदा की।

पुरस्कार वितरण समारोहः

रंग दे बून्दी कार्यक्रम के अन्तर्गत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगरपरिषद् के सभापति श्री महावीर मोदी व अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महावीर मोदी ने बताया कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए शहरवासियों के सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री भुवन भूषण, पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रंग दे बून्दी एक अनूठा प्रयास है तथा इसे

अन्य वार्डो में जारी रखें। उन्होनें कहा कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए सभी को एक जुट होना पड़ेगा। कार्यक्रम में राजस्थान पत्रिका के चीफ ब्यूरो श्री रूद्रेश शर्मा ने बताया कि शहर को सँवारने में युवापीढ़ी का सहयोग जरूरी है साथ ही मौहल्लेवासियों की भी सहभागिता आवश्यकता है।

इस अवसर पर नगरपरिषद् आयुक्त श्री पंकज मंगल ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी के प्रयास जरूरी है तथा शहर प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह शहर को स्वच्छ बनाये रखने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। रंग दे बून्दी ''प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग व जूनियर वर्ग के छात्र–छात्राओं को प्रथम पुरस्कार में चार–चार हजार रूपये नकद व उपविजेताओं को दो–दो हजार रूपये नकद प्रदान किये गये तथा अन्य सभी प्रतियोगिताओं को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में एंजिलीना नागपाल प्रथम व रोनक पुरोहित द्वितीय रहे। जूनीयर वर्ग में प्रियांश सोनी प्रथम व प्रिया मीणा द्वितीय रही। कार्यक्रम का संचालन योगेन्द्र जैन ने किया उन्होनें कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मौहल्लेवासियों का आभार व्यक्त किया।

अन्य वार्डो में जारी रहेगा कार्यक्रमः

रंग दे बूंदी के अन्तर्गत वार्ड संख्या 5 में सफल क्रियान्वयन को सीख लेते हुए उक्त कार्यक्रम को नगरपरिषद बून्दी के अन्तर्गत अन्य वार्डो में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत जारी रखने का संकल्प लिया गया।

सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म के अन्तर्गत राजस्थान महापौर सम्मेलन का आयोजन

सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म के तहत कट्स इन्टरनेशनल एवं स्वायत्त शासन विभाग के निर्देशन में राजस्थान महापौर सम्मेलन 17 फरवरी, 2016 को होटल कन्ट्री इन्न में आयोजित हुआ। सम्मेलन में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव श्री पुरूषोत्तम बियाणी एवं नगर निगम जयपुर के महापौर श्री निर्मल नाहटा, उप महापौर श्री मनोज भारद्वाज, अजमेर नगर निगम के महापौर श्री धर्मेन्द्र गहलोत, उपमहापौर सम्पत सांखला, भरतपुर नगर निगम के महापौर श्री शिव सिंह भोंट, उपमहापौर श्री इन्द्रपाल सिंह, नगर निगम बीकानेर के महापौर श्री नारायण चौपड़ा उपमहापौर अशोक कुमार आचार्य, जोधपुर नगर निगम के महापौर घनश्याम औझा उपमहापौर देवेन्द्र सालेचा, कोटा नगम निगम के महापौर श्री महेश विजयवर्गीय उपमहापौर श्रीमती सुनीता व्यास, नगर निगम उदयपुर के महापौर चन्द्र सिंह कोठारी उपमहापौर एवं नगर परिषद अलवर के सभापति श्री आशोक कुमार खन्ना, नगरपालिका नागौर के सभापति श्रीमती संगीता पारीक, नगरपालिका पुष्कर के सभापति श्री कमल पाठक, नगरपरिषद भीलवाड़ा के सभापति श्रीमती ललिता समदानी, नगरपरिषद चित्तौड़गढ़ के सभापति श्री सुशील कुमार शर्मा, नगरपरिषद बून्दी के महावीर मोदी, नगर परिषद बाँरा के सभापति उपस्थित थे।

सिटी मेयर्स लर्निंग प्लेटफॉर्म के तहत आयोजित सम्मेलन की अध्यक्षता स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव श्री पुरूषोत्तम बियाणी द्वारा की

गई। उन्होनें इस अवसर पर बताया कि प्रदेश में चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जिनमें स्वच्छ भारत मिशन, एनर्जी सेविंग की एल.ई.डी. परियोजना, स्मार्टराज परियोजना, ई–गर्वनेंस, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत, ह्रदय योजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से बताया तथा सभी नगरीय निकायों के महापौर, उपमहापौर एवं सभापतियों से उनके यहॉ जारी योजनाओं की जानकारी ली तथा उनमें आने वाली परेशानियों का मौके पर निस्तारण किया।

उक्त आयोजन में नगरीय निकायों से आये महापौर, उपमहापौर एवं सभापतियों ने अपने–अपने यहाँ किये जा रहे नवाचारों (सर्वोत्तम कार्यो) के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर नगर निगम जयपुर के महापौर श्री निमृल नाहटा ने ग्रीन रूफ टॉप के तहत बताया कि किस प्रकार घरों एवं कार्यालयों की छतों पर वनस्पतियाँ/सब्जियॉ उगा कर संबंधित बिल्डिंग का तापमान नियंत्रित कर सकते है एवं हरी सब्जियॉ/वनस्पतियों का लाभ लेते हुए पर्यावरण के शुद्धीकरण में अपना योगदान दे सकते है। उन्होनें सोलेर पेनल द्वारा बिजली उत्पादन परियोजना के बारे में भी जानकारी दी। अजमेर के महापौर श्री धर्मेन्द्र गहलोत ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस कचरा प्रबंधन के लिए डोर–टू–डोर परियोजना पर जोर दिया। उन्होने बताया कि उनके द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत सभी वार्डो में कंटेनर रखवाये गये है। नगर परिषद बूँन्दी के सभापति ने रंग दे बूँन्दी के तहत सार्वजनिक दिवारों एवं खम्बों पर जनसहभागिता के माध्यम से पेंटिंग करवाकर स्वच्छता का संदेश दिया। नगर परिषद चित्तौड़ के सभापति ने सुनहरें चित्तौड़ योजना के तहत स्वच्छ भारत मिशन में किये गये कार्यो की जानकारी दी। इकलई की मिशा टंडन ने देश–विदेश में स्वच्छता एवं इन्टीग्रेटड अरबन वेस्ट मेनेजटमेंट पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया। वरिष्ठ नगर नियोजक श्री राजेन्द्र विजयवर्गीय ने भू–उपयोग, मास्टर प्लान एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी

दी। कट्स इंटरनेशनल के डायरेक्टर जॉर्ज चैरियन ने माय सिटी परियोजना के बारे में बताया। जिसमें सामुदायिक सहभागिता द्वारा अरबन गर्वनेंस को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अन्त में खुली परिचर्चा में स्वच्छ भारत मिशन के तहत आने वाली समस्याओं के निस्तारण के लिए किये गये कार्यो के बारे में स्वच्छ भारत मिशन के टीमलीडर श्री भगवान सिंह राठौड़ व डॉ हिमानी तिवाड़ी, समन्वयक, सीएमएआर ने जानकारी दी और बताया कि उन शहरों को अवलोकन किया जाये जो शहर स्वच्छ भारत मिशन के तहत सर्वोत्तम 10 शहरों में आये है एवं उनके द्वारा किये गये कार्यो को अन्य शहरों में अपनाया जाये।

ONE DAY WORKSHOP ON STREET DOG POPULATION MANAGEMENT

Animal Welfare Board of India under Ministry of Environment, Forest and Climate Change, GoI organized a state level workshop on "Street Dog Population Management" at Jaipur on 11th February, 2016 in collaboration with Local Self Government Department, GoR at HCM RIPA. The workshop was chaired by Principal Secretary, LSGD, Dr. Manjit Singh and Co-chaired by Director, cum Special Secretary, LSGD Sh. Purushottam Biyani along with Director Law, Sh. Ashok Singh, Deputy Commissioner, Dr. Harmendra Singh.

The workshop was being attended by participants from different line departments like Animal Husbandry Department, Local Self Government Department, Panchayti Raj and Rural Development Department, Head Quarter Police & Animal Welfare Board and District SPCAs & NGOs like TOLFA (Ajmer) there were almost 70 participants.

Presentation involved situation analysis, best practices and various initiatives by different states. Experts from Government of India presented on various related session. Among the experts were Mrs. Gouri Maulik who is advisor to Hon'ble Minister of WCD, Mrs. Menka Sanjay Gandhi and a co-opted member of Animal Welfare Board of India. She presented on Animal Welfare Laws.

Points Discussed in the workshop & the directions are as follows:

1. To manage street dog population in state, it is proposed to have a tripartite MoU with LSGD, Animal Husbandry Department & Animal Welfare Board which will include department wise responsibility like veterinary facility by Animal

Husbandry Department, IEC and necessary funds by Animal Welfare Board. LSGD to take care of population management.

2. To allocate state level fund for population management of Street Dogs.

To organize a campaign in 30-35 ULBs for street dog population management & control to include rural areas also.

To use various latest & scientific method as directed by Animal Welfare Board and to involve various listed NGOs for proper management of street dog population.

HSI (Help in suffering by Human Society International) & TOLFA, Ajmer are working actively in the same.

Best practice of JMC like vaccinating the dogs by Rabies vaccine before operating and releasing the dog at the same place after 2-3 post operative care & healing be replicated in other ULBs also to minimize the case of dog bites & rabies along with controlling their population.

अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

स्वायत्त शासन विभाग एंव सिटी मैनेजर्स एसोसिएशन राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में स्वायत्त शासन विभाग के कांफ्रेस हॉल में वर्ष 2013 में नियुक्त अधिशाषी अधिकारी (चतुर्थ) एवं राजस्व अधिकारी (द्वितीय) का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिन स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव डॉ. मनजीत सिंह ने बताया कि अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी अपनी नगरीय निकायें में राजस्व वसूली को प्राथमिकता दें। राजस्व वसूली में कोताही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध विभाग सख्त कार्यवाही करेगा। उन्होनें अधिकारियों को निर्देश दिये की वे जनप्रतिनिधियों के साथ मिल-जुलकर कार्य करें तथा बोर्ड की बैठक निश्चित समयावधि में बुलाये। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालय निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करवाये तथा सभी नगरीय निकाय राजस्थान सम्पत्ति विरूपण अधिनियम की सख्ती से पालना करें। इस अवसर पर निदेशक एवं विशिष्ट सचिव श्री पुरूषोत्तम बियाणी ने बताया कि अधिकारी अपने शहर को पूर्ण रूप से स्वच्छ रखने में अपनी भूमिका अदा करें तथा सभी नगरीय निकाय सफाई व्यवस्था को पूर्ण यान्त्रिकीकरण करें। उन्होनें निर्देश दिये कि सभी अधिकारी ई-मेल को रोजाना देखें। उन्होनें स्वायत्त शासन विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दी।

इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक श्रीमती संचिता बिश्नोई, परियोजना निदेशक श्रीमती प्रीति माथुर, मुख्य अभियन्ता श्री के.के. शर्मा, वरिष्ठ लेखाधिकारी, श्रीमती मधु राठौड़ तथा नगरीय निकायों से आये अधिशाषी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रथम दिन विभाग की वरिष्ठ लेखाधिकारी श्रीमती मधु राठौड़ ने RTPP ACT तथा श्री राजनारायण शर्मा ने Rules and works consultancy, Public Guarantee Service के विषय पर एवं श्री मनीष जैन ने Accrual Bassed Double Entry Accounting System विषय पर एवं श्री आर.एस. बत्रा ने RSR विषय पर जानकारी दी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन श्री अशोक सिंह, वरिष्ठ संयुक्त विधि परामर्शी एवं श्री राजेन्द्र सिंघल ने Enforcement, Election, Bylaws विषय पर श्री आर.के. विजयवर्गीय, वरिष्ठ नगर नियोजक, श्री मुकेश जांगिड़, सहायक नगर नियोजक ने Land Issues, Land Acquisition Act व श्री प्रदीप कपूर, वरिष्ठ नगर नियोजक, नगरीय विकास विभाग ने Housing for All Policy विषय पर एवं श्री पंचौलीए ALR ने How to Handle Litigation, श्री आर.एस. बत्रा ने Municipal Act Compounding Rule विषय पर जानकारी दी। इसी प्रकार शहरी आजीविका मिशन विषय पर श्रीमती प्रीति माथुर, परियोजना निदेशक एवं स्वच्छ भारत मिशन पर श्री के.के. शर्मा मुख्य अभियन्ता स्वायत्त शासन विभाग ने जानकारी दी। खुली परिचर्चा में श्री श्रवण विश्नोई, आयुक्त नगर परिषद बाड़मेर ने प्रतिभागियों से चर्चा की तत्पश्चात् शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सीवरेज ट्रीटमेंट प्लान्ट, डेलावास तथा जे.एल.एन. मार्ग में एल.ई.डी. प्रोजेक्ट का भ्रमण किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे दिन श्री के.के. शर्मा, मुख्य अभियन्ता, श्री भगवान सिंह, टीम लीडर, स्वच्छ भारत मिशन ने Technical Know - How of Swachh Bharat Mission तथा सुश्री पूनम कुलश्रेष्ठ, समन्वयक, सी.एफ.आर. ने Construction of IHHL by Community Participation विषय पर जानकारी दी। इसके बाद शौचालय निर्माण की तकनीक समझने हेतु झालाकुण्डा कच्ची बस्ती क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव श्री पुरूषोत्तम बियाणी ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में विशेषज्ञों द्वारा दी जानकारी का सदुपयोग

करें तथा नगरीय निकायों द्वारा किये जा रहे सर्वोत्तम कार्यो का परस्पर आदान–प्रदान हेतु निर्देश दिये। कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक श्रीमती संचिता बिश्नोई ने निर्देश दिये कि वह Work Plan बनाकर कार्य करें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. हिमानी तिवाड़ी, समन्वयक, सी.एम.ए.आर. ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सिटी प्रोफाईल- नागौर

इतिहास

नागौर जिला ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाए हुए है। यह राजस्थान का प्रमुख शहर है तथा जिला मुख्यालय है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित किले, महल, मन्दिर, दरगाह, मस्जिद तथा ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर के रूप से बनी कलात्मक छतरियॉ हर किसी को आकर्षित करती है। अजमेर संभाग में पुष्कर के बाद सबसे बड़ा पशु मेला नागौर में आयोजित किया जाता है। जिसमें विभिन्न नस्लों के पशुओं की खरीद व बेचान किया जाता है। भक्त शिरोमणी मीरॉ बाई को भक्ति प्रेम, वीर राव अमर सिंह राठौड की गौरवगाथा, लोकदेवता के रूप में वीर तेजाजी, जाम्भोजी महाराज, सुफी संत हमीद्दीन सुल्तानुतारेकीन(तारकिशन), महान कवि वृन्द, मुगल सम्राट अकबर के नौ रत्नों में से अब्बुल फजल और फेजी की कर्म एवं तपो भूमि होने का इस जिले की धरती को गौरव प्राप्त हुआ है।

भौगोलिक स्थिति

नागौर उत्तर में 27.40° और 26.25 डिग्री व पूर्व मे 73.10° और 75.15 डिग्री के मध्य स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल 17718 वर्ग किलोमीटर है। नागौर जोधपुर व बीकानेर के मध्य में है। उत्तर से दक्षिण में जिले की अधिकतम लम्बाई 146 किलोमीटर तथा पूर्व से पश्चिम में अधिकतम चौडाई 229 किलोमीटर है। आकार की दृष्टि से यह जिला प्रदेश का पांचवा सबसे बड़ा जिला है। जिले का अधिकाश भाग समतल है किन्तु उत्तरी तथा पूर्वी भाग में छितरी हुई छोटी पहाडियां है। उत्तर–पश्चिम तथा उत्तरी भाग में रेतीले टीलें है। यह क्षेत्र थार के रेगिस्तान का हिस्सा है।

जलवायु

नागौर का जलवायु शुष्क तथा गर्म है। गर्मियों में यहॉ लू भरी ऑधियां चलना सामान्य बात है। यहाँ गर्मियों में अधिकतम तापमान 47 डिग्री व निम्नतम तापमान 20डिग्री रहता है। सामान्य तापमान 23.5 रहता है। सर्दियों का मौसम यहाँ नवम्बर से मार्च तक रहता है। बरसात का मौसम बहुत थोड़े समय तक रहता है। जो कि जुलाई से सितम्बर के बीच होता है। वर्ष भर में वर्षा सामान्यतः 36.16 सें.मी होती है। इसलिए यह बहुत सुखा व गर्म जिला है।

शहर का विस्तार

यह शहर हर क्षेत्र में उन्नति कर रहा है। वर्तमान में यहॉ सभी तरह की तकनीकी साधन सुविधाएँ उपलब्ध है। शिक्षा की दृष्टि से भी यह काफी उन्नति कर रहा है। इसके आस-पास के छोटे-छोटे गॉव विकसित हो चुके है तथा यहॉ यातायात संबंधी सुविधाएँ भी उपलब्ध है।

परिवहन

नागौर की परिवहन स्थिति सुविधा जनक नहीं है। यहॉ रेल मार्ग का विस्तार कार्य जारी है। जोधपुर व बीकानेर के लिए फोर लेन की सड़के है।

यहां से सबसे नजदीकी हवाई अड्डा जोधपुर क्षेत्र में है। यह जगह नागौर से 135 कि. मी. की दूरी पर है। दिल्ली, मुम्बई, उदयपुर और जयपुर से जोधपुर के लिए हवाई यात्रा की जा सकती है। नागौर में रेल्वे स्टेशन है लेकिन नजदीक ही बड़ा मेड़ता रोड़ जंक्शन है। जहां से दिल्ली, मुम्बई, जयपुर, चेन्नई, गोवाहटी और कोलकाता के रेलमार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। भारत की सर्वप्रथम रेल सेवा मेड़ता रोड़ से शूरू हुई थी। नागौर से बस सेवा दिल्ली, अहमदाबाद, अजमेर, आगरा, जयपुर, जैसलमेर और उदयपुर के लिए उपलब्ध है।

जनसंख्या

2011 के अनुसार नागौर की जनसंख्या 33,07,743 है। इसमें 51.37 प्रतिशत पुरूष है तथा 48.71 प्रतिशत महिलाए है। इसमें ग्रामीण निवासी लोगो की जनसंख्या 26,70,539 है तथा नगरीय निवासी लोगो की संख्या 6,37,204 है। इसमें अनुसूचित जातियों की संख्या 6,99,911 है तथा अनुसूचित जनजातियों की संख्या 10,418 है। 2001-11 के मध्य यहाँ 19.25ः की बढ़ोत्तरी हुई है। यहाँ की (0-6) बच्चों की जनसंख्या 5,07,176 है। कुल साक्षरता अनुपात 53.16 प्रतिशत है। जिसमे पुरूषों का साक्षरता अनुपात 62.70 प्रतिशत है तथा महिलाओं का साक्षरता अनुपात 37.29 प्रतिशत है।

दर्शनीय स्थल

नागौर विशेष रूप से ऐतिहासिक स्मारकों व मंदिरों के लिए काफी प्रसिद्ध है। इन्हें देखने के लिए प्रत्येक वर्ष काफी संख्या में देश–विदेश से पर्यटक आते है। दर्शनीय स्थलों में नागौर का किला बहुत प्रसिद्ध है। इसमें राजपूत व मुस्लिम वास्तु कला का सुन्दर प्रयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त यहाँ खुर्द जो कि नागौर में सबसे बड़ी गौशाला के लिए प्रसिद्ध है तथा यहाँ सती माता का प्राचीन मन्दिर भी है। इसके अतिरिक्त लाडनू शहर ऐसिहासिक शहरे के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अलावा मेड़ता में 400 वर्ष पुराना मीरा बाई का मन्दिर भी बहुत विख्यात है। प्रतिवर्ष नागौर में आने वाले पर्यटक की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

प्रमुख आकर्षक केन्द्र

खींवसर किला, कुचामन किला, अचित्रागढ़ किला, हमीद्दीउदीन नागौरी मकबरा, जैन मंदिर, नागौर पशु मेला, जामा मस्जिद, वीर तेजाजी जन्म स्थल, खरनाल इत्यादि प्रसिद्ध व प्रमुख दर्शनीय व आर्कषण का केन्द्र है। यहाँ प्रतिवर्ष हजारों पर्यटक आते है। नागौर जिला नागौरी नस्ल कें बैलों के लिये विख्यात है।

नागौर नगर परिषद

नागौर नगर पालिका की स्थापना सन् 1971 में हुई थी तथा राज्य सरकार ने 30 अप्रैल, 2012 को नगर परिषद के रूप में क्रमोन्नत किया। वर्तमान में नागौर नगर परिषद बहुत विकसित हो रहा है। पहले यह कृषि प्रधान क्षेत्र कहलाया जाता था लेकिन अब शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी शहरों में है।

स्वच्छता एवं साफ-सफाई के विषय पर डिसेमिनेशन कार्यशाला का आयोजन

जयपुर शहर की कच्ची बस्तियों में स्वच्छता व साफ-सफाई के मुद्दे पर जयपुर पैलेस होटल में दिनांक 09 फरवरी, 2016 को गैर सरकारी संगठन सीफार के तत्वाधान डिसेमिनेशन कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं विशिष्ठ सचिव ने अध्यक्षता करते हुए बताया कि सीफार द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत शौचालय निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जा रही है। उन्होनें शौचालय निर्माण के लिए गैर सरकारी संगठन को समुदाय तथा विभाग के अधिकारियों से संवाद स्थापित कर आमजन को अधिक से अधिक लाभ पहुॅचाने का प्रयास करना चाहिए।

कार्यशाला में सीफार की समन्वयक व राज्य प्रोग्राम मैनेजर सुश्री पूनम कुरश्रेष्ठ ने सीफार द्वारा गत वर्षों में किये गये कार्यों की संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होनें बताया की सीफार द्वारा जयपुर के साथ अन्य संभागीय मुख्यालयों में शीघ्र ही कच्ची बस्ती/के समस्याओं के समाधान हेतु प्रयास किये जायेंगे।

कार्यशाला में खुली चर्चा में कच्ची बस्तियों से आई महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किये। कार्यशाला में डॉ. हिमानी तिवाड़ी, समन्वयक, सीएमएआर, श्रवण कुमार सेजू, अनुसंधान सहायक, सीएमएआर एवं श्री भगवान सिंह, टीम लीडर, स्वच्छ भारत मिशन तथा नगर निगम के अधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधि तथा कच्ची बस्तियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उक्त प्रतिभागियों ने अपने अनुभवों का आदान–प्रदान किये।

कार्यशाला के समापन अवसर पर सुश्री पूनम कुलश्रेष्ठ ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

OUR PARTNER'S

USAID
FROM THE AMERICAN PEOPLE

ICMA
International City/Country Management Association

USAEP
United State-Asia Environmental Partnership

NIUA
National Institute of Urban Affairs

CMAR

City Managers' Association Rajasthan, Room. No. 410, Directorate of Local Bodies
G-3 Rajmahal Residency, Near Civil Lines, Railway Crossing, Jaipur - 302015,
Telefax: 0141-2229966, www.cmar-india-org, E mail-cmar.rajasthan@gmail.com

Electronic version of this newsletter is also available on the website at: http://www.cmar-india.org/